आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 192 | उज्जैन, मंगलवार 03 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वीर क्रांतिकारी राजा भभूतसिंह-सतपुड़ा की गोद से जन्मी आज़ादी की ज्वाला

एक ऐसा योद्धा जिसकी गाथा लोकगीतों में आज भी जीवित है

भोपाल। मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं।

कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हर्राकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था।

राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था। उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे।

उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध है- राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया।

राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा। अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया।

बंगाल को दूसरा उत्तर कोरिया न बनाएं, शर्मिष्ठा पनोली के समर्थन में उतरीं कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पैगंबर मुहम्मद पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में कोलकाता पुलिस के हाथों गिरफ्तार इंफ्लुएंसर व छात्रा शर्मिष्ठा पनौली का समर्थन किया है। विधायक व बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता ने महाकुंभ को मृत्युकुंभ और जय श्रीराम को उनके विरुद्ध इस्तेमाल किया गया अपशब्द बताया।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने काली को मांस खाने वाली व शराब स्वीकार करने वाली देवी बताया। बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने इस्लाम धर्म में पैदा नहीं होने वालों को दुर्भाग्यशाली कहा, फिर भी उन लोगों के विरुद्ध कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, जबकि शर्मिष्ठा ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों को लेकर टिप्पणी की तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

बीजेपी ने किया गिरफ्तार छात्रा का समर्थन- भाजपा के आईटी सेल प्रमुख व बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि शर्मिष्ठा के पोस्ट से कहीं सांप्रदायिक तनाव नहीं फैला है, फिर भी कोलकाता पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने में हड़बड़ी दिखाई। मुख्यमंत्री ममता ने इससे भी ज्यादा विभाजनकारी बयान दिए हैं।

तेजी से फैल रहा कोरोना, 4000 के करीब पहुंचे एक्टिव केस

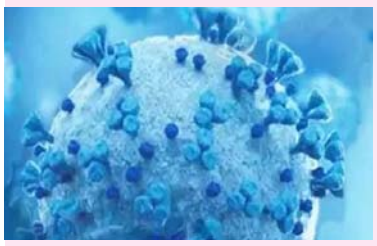

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस एक बार फिर देश में तेजी से फैल रहा है। देश में कोविड 19 के एक्टिव केस 4000 तक पहुंच गए हैं। वहीं, कोरोना के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस के एक्टिव केस से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों के अनुसार रविवार (1 जून) तक देश में कोरोना के कुल 3961 एक्टिव केस मिल चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे ज्यादा 47 मामले दिल्ली में मिले हैं। इसी के साथ दिल्ली में कोविड 483 एक्टिव केस हो चुके हैं। वहीं देश में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस केरल में मौजूद हैं, जिनकी संख्या 1435 है।

कोरोना वायरस से देश में अब तक 4 लोगों की जान जा चुकी है। कोरोना से दिल्ली में एक 22 वर्षीय महिला, तमिलनाडु में 25 वर्षीय पुरुष, महाराष्ट्र में 44 वर्षीय पुरुष और केरल में 1 शख्स की मौत हुआ है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से आर्मी कैंप तबाह, 3 जवानों की मौत और 6 लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम के मंगन जिले के छातेन में एक सैन्य शिविर में भूस्खलन हुआ, जिसमें 3 जवानों की मौत हो गई और 6 अन्य लापता हैं। हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मुनिश ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखड़ा की मौत हुई है। सेना ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

लाचुंग में फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू- मंगन जिले के जिला अधिकारी अनंत जैन ने बताया कि लाचुंग में फंसे 1000 से अधिक पर्यटकों को सोमवार को सुरक्षित निकाला गया। ये पर्यटक 30 मई से लाचुंग में फंसे हुए थे।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी- भारतीय सेना, एनडीआरएफ और पुलिस की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। खराब मौसम और दुर्गम इलाके में राहत कार्य में दिक्कत हो रही है।

सिक्किम के इस जिले के लिए रेड अलर्ट- वहीं सिक्किम सरकार ने हालात को देखते हुए मंगन जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी में बहुत ज्यादा पानी भर गया, जिससे कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

मंगन के पुलिस अधीक्षक सोनम डेचु भूटिया ने इस मामले में बताया है कि कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। पर्यटकों को अपने होटलों में रहने की सलाह दी गई है।

नासिक सिंहस्थ कुंभ में शाही स्नान की जगह होगा अमृत स्नान, तारीखों का भी हुआ एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासिक सिंहस्थ कुंभ में शाही स्नान की जगह पहली बार अमृत स्नान का आयोजन किया जाएगा। शाही स्नान की परंपरा को अमृत स्नान से बदला जाएगा। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर, 2026 को नासिक के त्र्यंबकेश्वर और रामकुंड में पारंपरिक ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा।

रविवार को नासिक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ अखाड़ा परिषद के साधुओं और महंतों और कुंभ मेला आयोजकों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने महंत राजेंद्रदास महाराज के इस सुझाव को स्वीकार कर लिया कि शाही स्नान को अमृत स्नान कहा जाना चाहिए। इस बैठक में कुंभ मेले की बहुप्रतीक्षित तिथियों की घोषणा भी की गई।

प्रयागराज महाकुंभ में अमृत स्नान का किया गया था आयोजन- गौरतलब है कि प्रयागराज में हाल ही में संपन्न कुंभ मेले में भी अमृत स्नान का आयोजन किया गया था। एएनआई के अनुसार अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़े के प्रवक्ता महंत भक्ति चरण दास ने बताया, शाही स्नान की परंपरा मुगल काल में शुरू हुई। इसलिए अब इस परंपरा को बदला जा रहा है।

विभिन्न अखाड़ों के संतों ने जोर दिया है कि स्नान समारोह को आध्यात्मिक अनुशासन का प्रतीक होना चाहिए, न कि शाही भव्यता का। अमृत स्नान का नाम पौराणिक कथा समुद्र मंथन से लिया गया है, जहां दिव्य अमृत की बूंदें कुंभ स्थलों पर गिरी थीं, जिनमें नासिक

केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में 270 साल बाद होगा दुर्लभ महाकुंभभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में 270 साल बाद एक दुर्लभ महाकुंभाभिषेकम होने जा रहा है। ये आठ जून को होगा। इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी। बताया जा रहा है कि इस मंदिर मंदिर में लंबे समय से लंबित जीर्णोद्धार कार्य हाल के दिनों में पूरा हुआ है। इसके पूरा होने के बाद मंदिर में भव्य तरीके से अगले सप्ताह महाकुंभभिषेकम (भव्य अभिषेक) होगा। मंदिर में रह रहे पुजारियों की माने तो इस अनुष्ठान का उद्देश्य आध्यात्मिक ऊर्जा को सुदृढ़ करना और मंदिर की पवित्रता को फिर से जागृत करना है।

साइबर फ्रॉड कवर वाले बीमा लाएं कंपनियां, वित्त मंत्रालय का निर्देश; जानिए आम लोगों को कैसे होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में साइबर फ्रॉड में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और इससे लोगों को कई बार भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। इसे देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में सभी सरकारी इंश्योरेंस कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्हें साइबर फ्रॉड जैसे जोखिम को कवर करने वाले उत्पाद लॉन्च करने का निर्देश दिया।

वर्ष 2024 में देश में इंश्योरेंस फ्रॉड की वजह से लोगों को 1.77 अरब रुपए का नुकसान हुआ है जो पूर्व के वर्ष के मुकाबले दोगुना है। वित्त मंत्री ने इन कंपनियों से कहा कि इंश्योरेंस के क्षेत्र में ग्राहकों की जरूरतें भी बदल रही है और उसे ध्यान में रखते हुए इंश्योरेंस कंपनियों को नए-नए उत्पाद बाजार में लॉन्च करने चाहिए।

ग्राहकों की शिकायतों का तुरंत हो निपटारा- उन्होंने इंश्योरेंस का दायरा बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के सस्ते उत्पादों को लॉन्च करने व ग्राहकों की सेवा को आसान बनाने के लिए पूरी तरह से डिजिटल बदलाव लाने के लिए कहा। वित्त मंत्री ने कहा कि कंपनियों को अपने सारे फैसले ग्राहकों को ध्यान में रखकर करना चाहिए और उनकी शिकायतों के निपटान को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। ग्राहकों की सुविधा के लिए सरकारी इंश्योरेंस कंपनियों को सोशल मीडिया से जुड़ने की जरूरत के साथ ग्राहकों से जुड़े अन्य चीजों को भी आसान बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि तय समय में इस प्रकार के बदलाव लाने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने इंश्योरेंस उत्पाद के मूल्यों को तार्किक बनाने के साथ दावे के मॉडल को अधिक सक्षम बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल का भी निर्देश दिया।

क्यों होने लगी इस बदलाव की मांग- इस प्रकार के बदलाव की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है क्योंकि पिछले कुछ सालों में सरकार की तरफ से लिए गए प्रयास की बदौलत जनरल इंश्योरेंस की पैठ में बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन अब भी यह वैश्विक औसत से काफी कम है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक भारत में जनरल इंश्योरेंस की पैठ जीडीपी के एक प्रतिशत के बराबर है, जबकि वैश्विक स्तर पर जनरल इंश्योरेंस की पैठ का औसत जीडीपी का 4.2 प्रतिशत है। पिछले पांच सालों में देश में इंश्योरेंस प्रति व्यक्ति इंश्योरेंस प्रीमियम 19 डॉलर से बढ़कर 25 डॉलर तक चला गया है।

यूक्रेन से मिले जख्मों को भूलकर जेलेंस्की को गले लगाएंगे पुतिन? तुर्किये में दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई शांति वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है। हालांकि, दोनों देशों की ओर एक-दूसरे के खिलाफ ड्रोन हमले जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पूरी कोशिश में जुटे हैं कि किसी भी तरह दोनों देशों के बीच शांति स्थापित हो सके।

इसी बीच रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल दो सप्ताह में अपनी दूसरी प्रत्यक्ष शांति वार्ता के लिए सोमवार को तुर्किये में एकत्रित हुए। हालांकि, इस मीटिंग से कुछ खास प्रगति की उम्मीद नजर नहीं आ रही।

तुर्किये में हो रही दोनों देशों के नेताओं की मुलाकात - यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हेओरही ताइखयी ने यूक्रेनी दूतावास के व्हाट्सएप ग्रुप पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा कि रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव के नेतृत्व में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बैठक के लिए इस्तांबुल में है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेंजिस्की के नेतृत्व में रूसी प्रतिनिधिमंडल रविवार शाम को यहां पहुंचे। रूसी सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। एक तरफ जहां रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत चल रही है। वहीं, दूसरी ओर यूक्रेन ने रूस पर एक बड़ा हमला किया। इस हमले में रूस को भारी नुकसान भी हुआ है।

यूक्रेन ने रूस पर किया बड़ा ड्रोन हमला- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस हमले की जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने रूस में शानदार ऑपरेशन चलाया है। यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य रूस के से सैन्य लक्ष्य रहे, जिसे पाने में यूक्रेनी सैनिक काफी हद तक सफल हुए हैं। इस ऑपरेशन को अंजाम देने में यूक्रेन ने 117 ड्रोन का इस्तेमाल किया।

यूक्रेन ने दावा किया कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी की रूस बड़ा हमला करने जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के हर हमले से निपटने के लिए हम तैयार हैं।

फलस्तीन आजाद करो के लगाए नारे और यहूदी भीड़ पर फेंक दिया बम... अमेरिका में आतंकी हमले से हड़कंप, कई लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से बम फटने की घटना सामने आई है। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, रविवार को कोलोराडो के बोल्डर में यहूदी लोगों पर आग के बम फेंके गए और साथ ही फ्री फलस्तीन के नारे लगाए गए। इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं।

कोलोराडो में हुए एक हमले के बाद एक पुरुष संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने इसे लक्षित आतंकी हमला करार दिया है। एफबीआई ने बताया कि 67 से 88 साल के छह लोग इस हमले में घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

हिरासत में संदिग्ध- वहीं कोलोराडो के अटॉर्नी जनरल फिल वीजर ने कहा कि हमले में लक्षित समूह को देखते हुए एक घृणित अपराध प्रतीत होता है। एफबीआई ने संदिग्ध की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद सबरी सोलिमा के रूप में की है।

यह घटना गाजा में इजरायल के युद्ध को लेकर अमेरिका में बढ़ते तनाव के बीच हुई है, जिसके कारण यहूदी विरोधी घटनाओं बढ़ गई हैं, साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इजरायल के रूढ़िवादी समर्थकों की तरफ से फलस्तीनी विरोध प्रदर्शनों को यहूदी विरोधी करार देने के प्रयास भी बढ़ गए हैं।

19 साल की लड़की ने बताया पूरा दृश्य

वहीं बोल्डर की घटना की गवाह बनी कोलोराडो विश्वविद्यालय की 19 साल की ब्रुक कॉफमैन ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया उसने चार महिलाओं को पैरों में जलन के साथ जमीन पर लेटे या बैठे देखा। उन्होंने ये भी बताया कि उनमें से एक महिला के शरीर का अधिकतर हिस्सा बुरी तरह जल गया था और उसे किसी ने झंडे में लपेट दिया था।

पाकिस्तान से केवल PoK पर होगी बात, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रख रहे सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों ने रविवार को आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता पर जोर दिया। साथ ही कहा कि पाकिस्तान के साथ भविष्य की वार्ता सिर्फ गुलाम जम्मू-कश्मीर वापस लेने पर फोकस होनी चाहिए।

मलेशिया में जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एवं तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने प्रवासी भारतीय समुदाय से बातचीत में कहा कि विभिन्न प्रतिमानों एवं सरकारों में बदलाव के बावजूद भारत दशकों से पाकिस्तान से बात करता रहा है। लेकिन एक चीज बरकरार है- पाकिस्तान के साथ संघर्ष। उसके साथ अब सिर्फ गुलाम जम्मू-कश्मीर को वापस लेने पर ही बात होनी चाहिए, अन्यथा ये आतंकी हमले जारी रहेंगे।

भारत के सामने कहीं नहीं टिकेगा पाकिस्तान- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार भी यह बात स्पष्ट रूप से कह चुकी है। दल के अन्य सदस्य व भाजपा सांसद हेमंग जोशी ने कहा कि पाकिस्तान छद्म युद्ध के जरिये भारत को विकसित भारत के मार्ग से विचलित करने की कोशिश कर रहा है।

फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ रखता है जीरो टॉलरेंस, पीयूष गोयल ने भारत को समर्थन के लिए जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद दृढ़ समर्थन के लिए भारत की ओर से फ्रांस के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। पीयूष गोयल एक से पांच जून तक फ्रांस और इटली की यात्रा पर हैं। पहले तीन दिन वह फ्रांस में रहेंगे। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों पर भारत एवं फ्रांस के बीच गहरी समझबूझ को रेखांकित किया।

फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ रखता है जीरो टॉलरेंस- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि फ्रांस के लोग और सरकार भी भारत की तरह आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता रखते हैं। हाल में भारत का दौरा करने वाले फ्रांसीसी सीनेट के प्रतिनिधिमंडल ने भारत के रुख का पूर्ण समर्थन किया था और हममें यह विश्वास भरा कि जब हम सभी तरह के आतंकवाद के विरुद्ध लड़ रहे हैं तो दुनिया हमारे साथ है।

केंद्रीय मंत्री ने किया पेरिस आतंकी हमले का जिक्र - केंद्रीय मंत्री ने 2015 पेरिस आतंकी हमले का जिक्र करते हुए आतंकवाद पर दोनों देशों के अनुभवों के बीच समानताएं भी बताईं। कहा, फ्रांस के लोग एवं सरकार भारत के गुस्से को समझ सकते हैं।

डेढ़ साल से कर रहे थे तैयारी, रूसी एअरबेस पर यूक्रेनी हमले को जेलेंस्की ने बताया शानदार; 117 ड्रोन हुए इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन ने रूस पर एक बड़ा हमला किया। इस हमले में रूस को भारी नुकसान भी हुआ है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने रूस में शानदार ऑपरेशन चलाया है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य रूस के से सैन्य लक्ष्य रहे, जिसे पाने में यूक्रेनी सैनिक काफी हद तक सफल हुए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया कि इस हमले में रूस को काफी नुकसान हुआ है। वहीं, इस एक्शन को उन्होंने सही बताया। बता दें कि रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में जेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा सेवा और ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद दिया और बताया कि ऑपरेशन में 117 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

डेढ़ साल से की जा रही थी ऑपरेशन की तैयारी- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि ऑपरेशन की तैयारी में डेढ़ साल से ज्यादा का समय लगा और बताया कि योजना, संगठन और हर विवरण को पूरी तरह से अंजाम दिया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अभी-अभी मुझे यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के प्रमुख, वसील मालियुक से एक रिपोर्ट मिली कि एक शानदार ऑपरेशन किया गया। यह दुश्मन के इलाके में हुआ और इसका लक्ष्य विशेष रूप से सैन्य लक्ष्य थे।उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान रूस को भारी नुकसान हुआ है। मैं सुरक्षा सेवा, जनरल मालियुक को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देता हूं, साथ ही ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों को भी धन्यवाद देता हूं। तैयारी में डेढ़ साल से अधिक का समय लगा। योजना, संगठन और हर विवरण को पूरी तरह से निष्पादित किया गया। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह एक बिल्कुल अनूठा ऑपरेशन है।

ऑपरेशन सिंदूर दुश्मनों के लिए सबक, जर्मनी-सिंगापुर के रक्षा प्रमुखों से सीडीएस ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान में पिछले महीने सैन्य संघर्ष के कारण बढ़े तनाव के बीच दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने सिंगापुर में शांगरी-ला डायलाग के दौरान अपने-अपने विचार साझा किए। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे विरोधियों के लिए एक सबक है।

चैनल न्यूज एशिया ने रविवार को बताया कि शीर्ष वैश्विक रक्षा मंच की बैठक में दोनों पड़ोसियों के बीच जारी तनाव ने ध्यान आकृष्ट किया। भारत ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए घातक हमले के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर आरोप लगाया, जबकि पाकिस्तान ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया।

भारत और पाकिस्तान जिस तरह भौगोलिक रूप से एक-दूसरे के बगल में हैं, उसी तरह दोनों देशों के कुछ शीर्ष जनरल शनिवार दोपहर को शांगरी-ला डायलाग के दौरान पड़ोसी सम्मेलन कक्षों में बैठे और रक्षा नवाचार समाधानों से लेकर क्षेत्रीय संकट-प्रबंधन तंत्र जैसे विषयों पर एक साथ चलने वाले सत्रों में हिस्सा लिया। जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करने को लेकर एक नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है।

ऑपरेशन सिंदूर के विरोधियों के लिए सबक - उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह ऑपरेशन हमारे विरोधियों के लिए भी सबक है। उम्मीद है कि वे सबक लेंगे कि यह भारत की सहनशीलता की सीमा है।

कनाडा में जंगलों में फैली आग हुई बेकाबू, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया; कई शहरों में बढ़ा प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में जंगल की आग बेकाबू हो गई है। कनाडा के तीन प्रांतों में 25 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। रविवार को जंगलों में कई जगहों पर आग धधकती रही। आग के धुएं से कनाडा और अमेरिका के कुछ राज्यों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है।

अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षित निकाले गए लोगों में से अधिकांश मैनिटोबा से हैं। आग के कारण मैनिटोबा में पिछले सप्ताह आपातकाल लगा दिया गया था। शनिवार तक मैनिटोबा से लगभग 17 हजार लोगों को निकाला गया है। अल्बर्टा में 1,300 और सस्केचेवान में लगभग आठ हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

आखिर क्यों भड़क उठी इतनी भयानक आग- सस्केचेवान के प्रीमियर स्काट मो ने कहा, गर्म, शुष्क मौसम के कारण आग भड़क रही है। हमारे पास संसाधन सीमित हैं। अगले चार से सात दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं। आग से बचने के लिए मैनिटोबा में जगह-जगह निकासी केंद्र खोले गए हैं। आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है लेकिन सफलता नहीं मिल सकी है।

एअर टैंकर किए गए तैनात - विनिपेग ने सार्वजनिक भवनों को विस्थापितों के लिए खोल दिया है।

फिर तो पूरा जयपुर आपका हो जाएगा, टाउन हॉल केस में राजघराने के दावे पर सुप्रीम कोर्ट ने क्यों बोला ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर राजघराने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। जयपुर के ऐतिहासिक टाउन हॉल (पुरानी विधानसभा) को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने राजमाता पद्मिनी देवी समेत जयपुर राजपरिवार के सदस्यों की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया।

राजस्थान हाईकोर्ट ने इसे सरकारी संपत्ति मानते हुए राजघराने के दावों को खारिज कर दिया था। राजघराने के सदस्यों ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। टाउन हॉल के अलावा चार मुख्य इमारतों को भी सरकारी संपत्ति घोषित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने राज्य सरकार से कहा कि जब तक मामला अदालत में लंबित है तब तक कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ाया जाए। मामले पर अब दो महीने बाद सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता के वकील की दलील पर क्या बोला कोर्ट - याचिकाकर्ताओं के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने दलील दी कि यह मामला कानूनी पेचीदगियों से भरा हुआ है।

IPL फाइनल से पहले मुश्किल में विराट कोहली, कर्नाटक पुलिस ने पब पर की FIR

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में क्रिकेटर विराट कोहली के पब, वन8 कम्यून के खिलाफ कर्नाटक पुलिस ने FIR की है। यह पब बेंगलुरु के रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर स्थित है।

कब्बन पार्क पुलिस ने विराट कोहली के वन 8 कम्यून पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ COTPA अधिनियम (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) के उल्लंघन के लिए बेंगलुरु में मामला दर्ज किया है।

नियमों का उल्लंघन करने का आरोप- पब पर COTPA अधिनियम की धारा 4 और 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है, क्योंकि रेस्टोरेंट में लिए कोई नो स्मोकिंग जोन नहीं है। बताया जा रहा है पब में धूम्रपान क्षेत्र को लेकर जरूरी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था।

इस अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के लिए सख्त नियम निर्धारित किए थे, और इनका पालन न करना कानूनी अपराध माना जाता है।

2024 में भी जारी हुआ था नोटिस- वन 8 कम्यून को पहले भी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। पिछले साल जून में भी इस पर एफआईआर दर्ज की गई थी।

चाकू से वार, डंडे से पीटा..., कर्नाटक की बेकरी में संपत्ति विवाद को लेकर मजदूर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के कोप्पल जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। संपत्ति विवाद को लेकर एक बेकरी की दुकान के अंदर सात लोगों ने एक व्यक्ति की चाकू से हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। यह घटना 31 मई को हुई और सीसीटीवी में कैद हो गई।

पीड़ित की पहचान चेनप्पा नरिनल के रूप में हुई है। छ्छ्ब्ङ्क फुटेज में देखा जा सकता है कि युवक अपनी जान बचाने के लिए जोर-जोर से जो चिल्ला रहा था और खुद को बचाने के लिए बेकरी में भाग रहा था, क्योंकि कुछ लोग उसे बेरहमी से पीट रहे थे।

खुद को बचाने की कोशिश में भागा पीड़ित- कम से कम दो लोग उस पर चाकू से हमला कर रहे थे, जबकि एक व्यक्ति ने पीड़ित के सिर पर लकड़ी के लट्ठे से भी वार किया। वीडियो में देखा जा सकता है पीड़ित खुद की बचाने की कोशिश कर रहा था, इस दौरान उसके शरीर पर चोट के कुछ निशान दिखाई दिए।

पीड़ित ने बेकरी में पूरा चक्कर लगाया और आरोपी उसके पीछे दौड़े और उसे चाकू से मारने की कोशिश की। कुछ सेकंड बाद, नरिनाल बेकरी से बाहर भाग गया, जहां दो से तीन लोगों ने उस पर कई बार चाकू से वार किया। आरोपी तुरंत मौके से भाग गए।

बुजुर्ग माता–पिता की अनदेखी करने पर बेटे के खिलाफ कार्रवाई के आदेश, मानवाधिकार आयोग सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसा कमाने के लालच और व्यस्त जिंदगी के चलते बुजुर्ग माता-पिता की अनदेखी की जा रही है। डीएलएफ फेज-4 की आलीशान सोसायटी में ऐसा ही मामला सामने आया है। मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं। बुजुर्ग दंपती की मेडिकल जांच और बेहतर देखभाल की रिपोर्ट तीन जुलाई तक सौंपने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही मानवाधिकार आयोग ने बुजुर्ग माता-पिता की अनदेखी करने वाले राजेश मित्रा के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। आयोग ने रिजवुड सोसायटी के निवासियों की शिकायत पर फैसला सुनाया है। रिजवुड एस्टेट कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन के निवासियों ने आयोग को शिकायत की थी कि सोसायटी में रहने वाले बुजुर्ग दंपती की उनके अपने बेटे राजेश मित्रा द्वारा उपेक्षा की जा रही है।

आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा ने अपने आदेश में गंभीर चिंता व्यक्त की है कि बुजुर्ग दंपती लंबे समय से मानसिक पीड़ा और शारीरिक पीड़ा झेल रहे हैं। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सम्मान के साथ जीने के उनके मौलिक अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। वृद्ध पिता का लगातार दर्द से कराहना न केवल उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है, बल्कि उनके आसपास के वरिष्ठ नागरिकों की भी स्थिति को प्रभावित कर रहा है। आवश्यक चिकित्सा देखभाल, भावनात्मक समर्थन और नियमित निगरानी का अभाव गंभीर उपेक्षा को दर्शाता है। जो न केवल उन वरिष्ठ नागरिकों के मूल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि उस समुदाय का भी है, जिसे अनजाने में इस पीड़ा को देखना पड़ रहा है। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा ने स्पष्ट लिखा है कि यदि यह साबित हो जाता है कि उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है।

ऐसे मामले में अधिनियम 2007 की धारा 24 के तहत इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर आपराधिक दायित्व तय किया जा सकता है। बशर्ते जांच के दौरान यह साबित हो जाए।

किसान पहचान पत्र क्यों जरूरी? 6 करोड़ किसानों को मिली डिजिटल आईडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर 61 मिलियन (6 करोड़ से ज्यादा) किसानों को डिजिटल आईडी (किसान पहचान पत्र) प्रदान की है। इस लिस्ट में 14 राज्यों के किसानों के नाम शामिल हैं। सभी किसानों की डिजिटल आईडी को उनकी जमीन के रिकॉर्ड से जोड़ा गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 तक 110 मिलियन(11 करोड़) किसानों को डिजिटल आईडी सौंपने की योजना तैयार की है। इसे किसान पहचान पत्र भी कहा जाता है। इस पहचान पत्र की मदद से आसानी से पता लगाया जा सकता है कि किसान के पास कुल कितनी जमीन है और उस पर कौन सी फसलें उगाई जाती हैं?

डिजिटल आईडी से किसानों को क्या फायदा- फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के हवाले से कृषि मंत्रालय के अधिकारी ने बताया- डिजिटल आईडी की मदद से किसानों के लिए फसल का बीमा करवाना और लोन लेना आसान हो जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना को भी डिजिटल आईडी से जोड़ा जाएगा।

किन राज्यों के किसानों को मिली आईडी- आंकड़ों की मानें तो अभी तक 14 राज्यों में 6 करोड़ से ज्यादा किसानों को किसान पहचान पत्र दिया जा चुका है। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश (1 करोड़ 30 लाख), महाराष्ट्र (लगभग 1 करोड़), मध्य प्रदेश (लगभग 83 लाख), आंध्र प्रदेश (45 लाख), गुजरात (44 लाख), राजस्थान (75 लाख) और तमिलनाडु (30 लाख) में किसानों को डिजिटल आईडी दी गई है। इसके अलावा असम, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के किसानों का किसान पहचान पत्र बनाने का काम चल रहा है।

कई नोटिस दिए, लेकिन हर बार..., शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर कोलकाता पुलिस का आया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया इन्फलुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर बवाल मचा हुआ है। अब शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी को लेकर कोलकाता पुलिस ने सफाई जारी की है। कोलकाता पुलिस ने इंस्टाग्राम इन्फलुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी का बचाव करते हुए कहा कि कानूनी कार्रवाई उनके राजनीतिक विचारों के लिए नहीं बल्कि कथित तौर पर एक वीडियो साझा करने के लिए की गई थी।

पुलिस ने आगे कहा कि उनके पोस्ट ने धार्मिक विश्वासों का अपमान किया और सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा दिया। एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में आगे कहा गया, कोलकाता पुलिस ने ऑनलाइन पोस्ट दावों को खारिज कर दिया और कहा कि पनोली को राष्ट्रवादी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए निशाना बनाया गया था।

लॉ स्टूडेंट हैं शर्मिष्ठा- बयान में कहा गया है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट गलत सूचना फैला रहे हैं कि कोलकाता पुलिस ने पाकिस्तान का विरोध करने के लिए एक लॉ स्टूडेंट को गैरकानूनी रूप से गिरफ्तार किया है। यह कहानी शरारती और भ्रामक है।

पनोली के खिलाफ 15 मई को गार्डन रीच पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, विचाराधीन वीडियो को भारत के नागरिकों के एक वर्ग की धार्मिक आस्था का अपमान करने वाला और विभिन्न समुदायों के बीच घृणा को बढ़ावा देने वाला माना गया।

कोलकाता पुलिस के मुताबिक, शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी किसी पाकिस्तान विरोधी बयान या देशभक्ति जताने की वजह से नहीं, बल्कि नफरत फैलाने वाली आपत्तिजनक कंटेट पोस्ट करने के आरोप में हुई है।

न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया- कोलकाता पुलिस ने आगे कहा, आरोपी को बीएनएसएस की धारा 35 के तहत नोटिस देने के कई प्रयास किए गए, लेकिन हर बार वह गायब रही। इसके बाद एक अदालत ने उसकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

भारत एक ऐसा पहला देश है जहां हर पद पर महिलाएं नेतृत्व करने में सशक्त सिद्ध हुई है

वैश्विक स्तरपर भारत एक ऐसा पहला देश है जहां राष्ट्रपति से लेकर पंचायत समिति तक के हर संवैधानिक पद पर महिलाएं नेतृत्व करने में सशक्त सिद्ध हुई है,जिसे पूरी दुनियंत ने रेखांकित किया है, इतना ही नहीं आज पूरे विश्व में भारतीय मूल की महिलाएं अपनी सफलताओं का डंका बजा रही है।अमरीका की उपराष्ट्रपति से लेकर पूरे विश्व में के अनेक देशों में अनेक संवैधानिक पदों पर मूल भारतीयों की नियुक्ति हुई हैं। भारत में हम देख रहे हैं कि शैक्षणिक एकेडमिक परीक्षाओं से लेकर प्रबंधकीय प्रौद्योगिकी शासकीय अर्थशास्त्रीय व निजी स्तर की करीब हर परीक्षा में हमें टॉपर के रूप में महिलाएं ही दिखती है। इतना ही नहीं महिलाओं का पासिंग प्रतिशत पुरुषों की अपेक्षा अधिक रहता है जो हम कक्षा10 की परीक्षा से लेकर अनेक स्तरों की परीक्षाओं में देख चुके हैं इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज महिलाओं की इंटेलिजेंस पुरुषों से कुछ हद तक अधिक सिद्ध होते जा रही है जिसे रेखांकित करना समय की मांग है। उसे पर भी सोने पर सुहागा सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित होकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 अब कानून बन चुका है जिसको महिलाएं की भागीदारी 33 प्रतिशत कर दी गई है परंतु आज की स्थिति में अनेक सामाजिक पंचायतों शिक्षण संस्थानों व कुछ दौड़ते कदम सेवा समिति में केवल संस्थापकों का ही राज चल रहा है, महिलाओं की भागीदारी को तो दूर की बात है उनके संस्थानों में महिलाएं सदस्य तक नहीं होती तो कई दौड़ते कम सेवा समितियां तो केवल प्राइवेट लिमिटेड समितियां तक होती है, केवल अपने परिवार वालों व सहयोगियों को ही सदस्यता दी जाती है और क्षेत्रीय नेताओं विधायकों से एंबुलेंस या अन्यसुविधाओं के लिए फंड की अपेक्षा की जाती है वैसे ही अनेक ऐसी शैक्षणिक संस्थाएं भी है जिनकी कार्यकारिणी में महिलाओं की भागीदारी नगण्य रूप है केवल अपने-अपने समर्थन या फिर सिफारिशी डमी सदस्यों को कार्यकारणी में लिया जाता है जिनकी नकेल संस्थापक जैसे व्यक्ति के हाथ में होती है जिसे हर समाज ने रेखांकित करना जरूरी है,अब समय आ गया है कि सामाजिक सेवा संस्थाओं का नेतृत्व महिलाओं को देने की कोशिश कर अपने निस्वार्थ सेवा को सिद्ध करें। चूंकि, महिलाएं न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं,नेतृत्व करने में अति सक्षम भी है

इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे महिला अत्याचार से जुड़े कानूनों को सक्रिय,गंभीरता से क्रियान्वयन व शीघ्र न्याय की जरूरत सामाजिक पंचायतों व शिक्षण संस्थानों में नेतृत्व स्तरपर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की मांग

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम ने इंदौर में दिनांक 31मई 2025 को अहिल्याबाई जन्म शताब्दी समारोह में संबोधन की करें तो उन्होंने कहा %चुनौती कितनी भी बड़ी हो, भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं. नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन हो या फिर सीमा पार का आतंक, आज हमारी बेटियां भारत की सुरक्षा की ढाल बन रही हैं. मैं आज देवी अहिल्या की इस पवित्र भूमि से देश की नारी शक्ति को फिर से सैल्यूट करता हूं. आज का भारत भी विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रहा है। पीएम के महिलाओं के प्रति संजीदगी व चिंता की करें तो उन्होंने 31 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय जिला न्यायाधीशों के सम्मेलन में कहा था कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध देश में गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

बालकृष्ण भट्ट

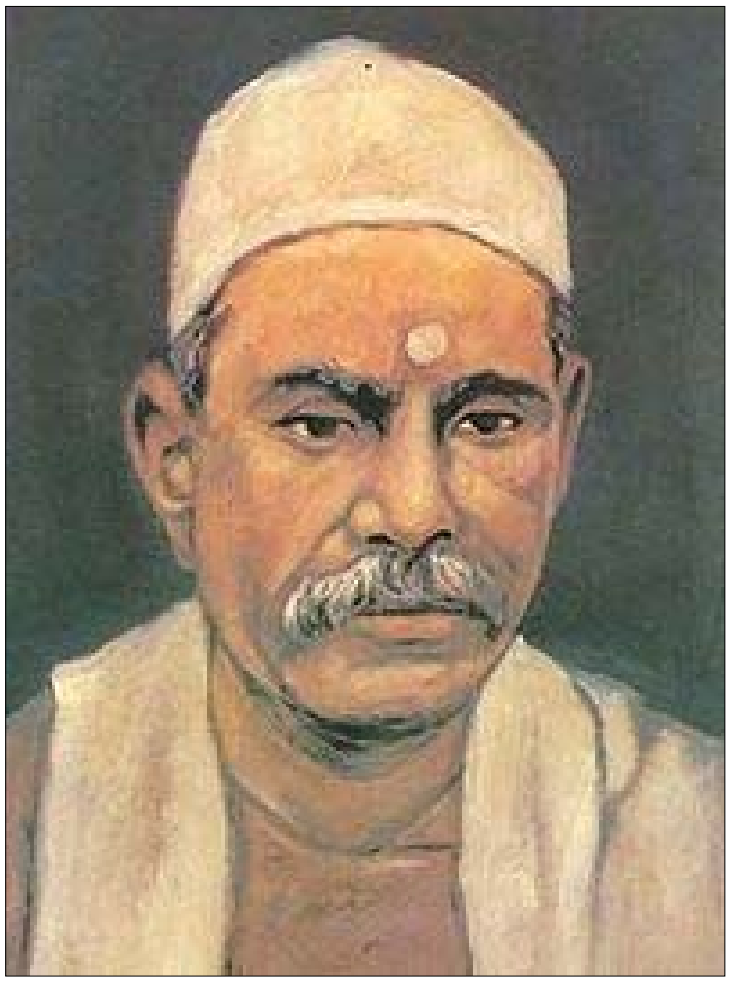

बालकृष्ण भट्ट आधुनिक हिन्दी साहित्य के शीर्ष निर्माताओं में से एक थे। आज की गद्य प्रधान कविता का जनक इन्हें माना जाता है। बालकृष्ण भट्ट एक सफल नाटककार, पत्रकार, उपन्यासकार और निबन्धकार थे। भट्ट जी ने निबन्ध, उपन्यास और नाटकों की रचना करके हिन्दी को एक समर्थ शैली प्रदान की। ये पहले ऐसे निबन्धकार थे, जिन्होंने आत्मपरक शैली का प्रयोग किया था। बालकृष्ण भट्ट को हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेज़ी, बंगला और फ़ारसी आदि भाषाओं का अच्छा ज्ञान था। इन्होंने हिन्दी साहित्य की विविध रूपों में सेवा की। लगभग बत्तीस वर्षों तक हिन्दी प्रदीप का संपादन कर भट्टजी अपने विचारों का व्यक्तिकरण करते रहे। ये भारतेन्दु युग की देदीप्यमान मौन विभूति होने के साथ-साथ द्विवेदी युग के लेखकों के मार्ग-दर्शक और प्रेरणा स्त्रोत भी रहे।

जन्म तथा शिक्षा

बालकृष्ण भट्ट जी का जन्म प्रयाग (आधुनिक इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में 3 जून, 1844 ई. में हुआ था। इनके पिता का नाम पंडित वेणी प्रसाद था। पंडित वेणी प्रसाद की शिक्षा की ओर विशेष रुचि रहती थी, साथ ही इनकी पत्नी भी एक विदुषी महिला थीं। अतः बालकृष्ण भट्ट की शिक्षा पर बाल्यकाल से ही विशेष ध्यान दिया गया। प्रारंभ में इन्हें घर पर ही संस्कृत की शिक्षा दी गयी और 15-16 वर्ष की अवस्था तक इनका यही क्रम रहा। इसके उपरान्त इन्होंने माता के आदेशानुसार स्थानीय मिशन के स्कूल में अंग्रेज़ी पढना प्रारंभ किया और दसवीं कक्षा तक अध्ययन किया। विद्यार्थी जीवन में इन्हें बाईबिल परीक्षा में कई बार पुरस्कार भी प्राप्त हुए। मिशन स्कूल छोड़ने के उपरान्त यह पुनः संस्कृत, व्याकरण और साहित्य का अध्ययन करने लगे।

व्यावसायिक जीवन

कुछ समय के लिए बालकृष्ण भट्ट जमुना मिशन स्कूल में संस्कृत के अध्यापक भी रहे, पर अपने धार्मिक विचारों के कारण इन्हें पद त्याग करना पड़ा। विवाह हो जाने पर जब इन्हें अपनी बेकारी खलने लगी, तब यह व्यापार करने की इच्छा से कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) भी गए, परन्तु वहाँ से शीघ्र ही लौट आये और संस्कृत साहित्य के अध्ययन तथा हिन्दी साहित्य की सेवा में जुट गए। यह स्वतंत्र रूप से लेख लिखकर हिन्दी साप्ताहिक और मासिक पत्रों में भेजने लगे तथा कई वर्ष तक प्रयाग में संस्कृत के अध्यापक रहे। भट्टजी प्रयाग से हिन्दी प्रदीप मासिक पत्र का निरंतर घाटा सहकर 32 वर्ष तक उसका सम्पादन करते रहे। हिन्दी प्रदीप बंद होने के बाद हिन्दी शब्दसागर का संपादन कार्य भी इन्होंने कुछ समय तक देखा, पर अस्वस्थता के कारण इन्हें यह कार्य छोड़ना पड़ा।

हिन्दी साहित्य में स्थान

बालकृष्ण भट्ट का हिन्दी के निबन्धकारों में महत्त्वपूर्ण स्थान है। निबन्धों के प्रारंभिक युग को निःसंकोच भाव से भट्ट युग के नाम से अभिहित किया जा सकता है। व्यंग्य विनोद संपन्न शीर्षकों और लेखों द्वारा एक ओर तो भट्टजी प्रताप नारायण मिश्र के निकट हैं और गंभीर विवेचन एवं विचारात्मक निबन्धों के लिए वे आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निकट हैं। भट्टजी अपने युग के न केवल सर्वश्रेष्ठ निबन्धकार थे, अपितु इन्हें सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य में प्रथम श्रेणी का निबन्ध लेखक माना जाता है। इन्होंने साहित्यिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, दार्शनिक, नैतिक और सामयिक आदि सभी विषयों पर विचार व्यक्त किये हैं। इन्होंने तीन सौ से अधिक निबन्ध लिखे हैं। इनके निबन्धों का कलेवर अत्यंत संक्षिप्त है तथा तीन पृष्ठों में ही समाप्त हो जाते हैं। इन्होंने मूलतः विचारात्मक निबन्ध ही लिखे हैं और इन विचारात्मक निबन्धों को चार श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है-

व्यावहारिक जीवन से सम्बंधित।
साहित्यिक विषयों से समबन्धित।
सामयिक विषयों से सम्बंधित।
हृदय की वृतियों पर आधारित।

कृतियाँ

भट्टजी भारतेंदु युग की देन थे और भारतेंदु मंडली के प्रधान सदस्य थे। प्रयाग में इन्होंने हिन्दी प्रवर्द्धिनी नामक सभा की स्थापना की थी और हिन्दी प्रदीप नामक पत्र प्रकाशित करते रहे। इसी पत्र में इनके अनेक निबन्ध दृष्टिगोचर होते हैं। हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ने इनके कुछ निबन्धों का संग्रह निबन्धावली नाम से प्रकाशित भी करवाया था।

निबन्ध संग्रह - साहित्य सुमन, भट्ट निबन्धावली।

उपन्यास - नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान।

नाटक - दमयंती स्वयंवर, बाल-विवाह, चंद्रसेन, रेल का विकट खेल।

अनुवाद - वेणीसंहार, मृच्छकटिक, पद्मावती।

भाषा

भाषा की दृष्टि से अपने समय के लेखकों में बालकृष्ण भट्ट का स्थान बहुत ऊँचा है। उन्होंने अपनी रचनाओं में यथाशक्ति शुद्ध हिन्दी का प्रयोग किया। भावों के अनुकूल शब्दों का चुनाव करने में भट्ट जी बड़े कुशल थे। कहावतों और मुहावरों का प्रयोग भी उन्होंने सुंदर ढंग से किया है। भट्ट जी की भाषा में जहाँ तहाँ पूर्वीपन की झलक मिलती है, जैसे- समझा-बुझा के स्थान पर समझाय-बुझाय लिखा गया है। बालकृष्ण भट्ट की भाषा को दो कोटियों में रखा जा सकता है। प्रथम कोटि की भाषा तत्सम शब्दों से युक्त है। द्वितीय कोटि में आने वाली भाषा में संस्कृत के तत्सम शब्दों के साथ-साथ तत्कालीन उर्दू, अरबी, फ़ारसी तथा आंग्ल भाषीय शब्दों का भी प्रयोग किया गया है। वह हिन्दी की परिधि का विस्तार करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने भाषा को विषय एवं प्रसंग के अनुसार प्रचलित हिन्दीतर शब्दों से भी समन्वित किया है। बालकृष्ण भट्ट की भाषा जीवंत तथा चित्ताकर्षक है। इसमें यत्र-तत्र पूर्वी बोली के प्रयोगों के साथ-साथ मुहावरों का प्रयोग भी किया गया है, जिससे भाषा अत्यन्त रोचक और प्रवाहमयी बन गई है।

शैली

बालकृष्ण भट्ट की लेखन शैली को दो कोटियों में रखा जा सकता है। प्रथम कोटि की शैली को परिचयात्मक शैली कहा जा सकता है। इस शैली में उन्होंने कहानियाँ और उपन्यास लिखे हैं। द्वितीय कोटि में आने वाली शैली गूढ़ और गंभीर है। इस शैली में भट्ट जी को अधिक नैपुण्य प्राप्त है। उन्होंने आत्म-निर्भरता तथा कल्पना जैसे गम्भीर विषयों के अतिरिक्त, आँख, नाक तथा कान आदि अति सामान्य विषयों पर भी सुन्दर निबन्ध लिखे हैं। आपके निबन्धों में विचारों की गहनता, विषय की विस्तृत विवेचना, गम्भीर चिन्तन के साथ एक अनूठापन भी है। यत्र-तत्र व्यंग्य एवं विनोद उनकी शैली को मनोरंजक बना देता है। उन्होंने हास्य आधारित लेख भी लिखे हैं, जो अत्यन्त शिक्षादायक हैं। भट्ट जी का गद्य, गद्य न होकर गद्यकाव्य-सा प्रतीत होता है। वस्तुत आधुनिक कविता में पद्यात्मक शैली में गद्य लिखने की परंपरा का सूत्रपात बालकृष्ण भट्ट जी ने ही किया था।

वर्णनात्मक शैली

वर्णनात्मक शैली में बालकृष्ण भट्ट जी ने व्यावहारिक तथा सामाजिक विषयों पर निबन्ध लिखे हैं। जन साधारण के लिए भट्ट जी ने इसी शैली को अपनाया। उनके उपन्यास की शैली भी यही है, किंतु इसे उनकी प्रतिनिधि शैली नहीं कहा जा सकता। इस शैली की भाषा सरल और मुहावरेदार है। वाक्य कहीं छोटे और कहीं बड़े हैं।

विचारात्मक शैली

भट्ट जी द्वारा गंभीर विषयों पर लिखे गए निबन्ध इसी शैली के अंतर्गत आते हैं। तर्क और विश्वास, ज्ञान और भक्ति, संभाषण आदि निबन्ध विचारात्मक शैली के उदाहरण हैं। इस शैली की भाषा में संस्कृत के शब्दों की अधिकता है।

ईवी मैन्युफैक्चरिंग गाइडलाइन जारी, क्यों ज्यादातर घरेलू कंपनियों के लिए आवेदन करना होगा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर दी है। इसमें जो प्रावधान तय किए गए हैं, उनके आधार पर विशेषज्ञों का कहना है कि छोटी ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए इस स्कीम के तहत आवेदन करना मुश्किल होगा।

क्या है ईवी मैन्युफैक्चरिंग स्कीम- 'स्कीम टू प्रमोट मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक पेसेजंर कार्स इन इंडिया' 15 मार्च 2024 को घोषित की गई थी। इस स्कीम में सरकार ने कम से कम 35000 डॉलर सीआईएफ (कॉस्ट, इंश्योरेंस और फ्रेट) वैल्यू वाली पूरी तरह निर्मित कार (ष्ठक्र) को 15त्न की रियायती दर पर आयात करने की अनुमति दी गई है। यह अनुमति 5 साल के लिए है। कंपनी इस रियायती दर पर साल में 8000 वाहनों का आयात कर सकती है। अगर किसी साल इतनी कारों का आयात नहीं हुआ तो उसे अगले साल कैरीओवर किया जा सकेगा।

इसमें शर्त है कि कंपनी को तीन साल के भीतर भारत में मैन्युफैक्चरिंग में कम से कम 4150 करोड़ रुपये (लगभग 50 करोड़ डॉलर) निवेश की प्रतिबद्धता देनी होगी। अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं होगी। पहले 3 साल में कंपनी को कम से कम 25त्न घरेलू वैल्यू एडिशन करना पड़ेगा और 5 साल में इस सीमा को 50त्न तक ले जाना होगा। अधिकतम छूट की सीमा 6,484 करोड़ रुपये या निवेश राशि, दोनों में जो भी कम हो, उसके बराबर होगी।

विस्तृत दिशानिर्देश में क्या है खास

सरकार ने 2 जून, सोमवार को इस स्कीम के विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। आवेदन करने के लिए 120 दिन (या उससे अधिक) की प्रक्रिया जल्दी शुरू होगी। कंपनियां ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि सिर्फ नए प्लांट, मशीनरी, उपकरण, रिसर्च और डेवलपमेंट तथा कुछ हद तक बिल्डिंग लागत को निवेश में शामिल किया गया है। जमीन की कीमत निवेश में शामिल नहीं है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत कुल निवेश के पांच प्रतिशत तक रखी गई है। आवेदन के लिए योग्य उम्मीदवार वही होंगे जिनका ग्लोबल ऑटोमोबाइल रेवेन्यू कम से कम 10,000 करोड़ रुपये और ग्लोबल फिक्स्ड ऐसेट कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होगा।

99त्न लुढ़क गया था यह शेयर, 13 रुपये से पहुंचा अब 350 रुपये के पार, अनिल अंबानी की है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 8 पर्सेंट से अधिक उछलकर 359.50 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 13 रुपये पर पहुंच गए थे। हालांकि, इस स्तर तक पहुंचने के बाद पिछले 5 साल से कुछ ज्यादा के समय में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने अच्छी वापसी की है। कंपनी के शेयर 13 रुपये के लेवल से 2600 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने 2 साल में 3000 करोड़ रुपये के डिफेंस एक्सपोर्ट का लक्ष्य रखा है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 4 जनवरी 2008 को 2510.35 रुपये पर थे। इस हाई लेवल के बाद कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट आई। रिलायंस इंफ्रा के शेयर लुढ़कते हुए 13 मार्च 2020 को 13.05 रुपये पर पहुंच गए। यानी, कंपनी के शेयर 4 जनवरी 2008 के लेवल से 99 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए। हालांकि, 13.05 रुपये के स्तर से कंपनी के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 2 जून 2025 को 359.50 रुपये पर पहुंच गए। यानी, 5 साल से कुछ ज्यादा समय में कंपनी के शेयरों में 2635 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया।

सोने की कीमत में 1200 रुपए से अधिक की उछाल, एक्सपर्ट्स ने बताया बढ़ोतरी का कारण; आगे कितनी पहुंच सकती है कीमत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमसीएक्स पर सोने और चांदी के दाम में बड़ी उछाल देखने को मिल रही है। दोनों के ही दाम 1000 रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी आई है। आइए जानते हैं सोने और चांदी की कीमतों में यह तेजी क्यों आई है? साथ ही, क्या आगे भी सोने और चांदी के दाम बढ़ेंगे? भविष्य में सोना कितने रुपये तक पहुंच सकता है। इन सब सवालों के जवाब जानते हैं।

दोपहर 2.59 बजे एमसीएक्स में 10 ग्राम सोने का भाव 95,673 रुपये पहुंचा है। इसमें अभी 1267 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि आज ही सुबह ही एमसीएक्स में सोने के दाम में मामूली बढ़त दर्ज की गई थी।

दोपहर 3 बजे 1 किलो चांदी का दाम 97,376 रुपये दर्ज किया गया है। इसमें भी 1035 रुपये की बढ़त आई है। इसके अलावा चांदी में सुबह हल्की बढ़ोतरी थी।

क्या है कीमत बढ़ने की वजह - कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया से हुई बातचीत के दौरान पता चला बढ़ते ग्लोबल टेंशन की वजह से सोने और चांदी की कीमत में एकदम से उछाल देखने को मिला है। इनका कारणों में-

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई दोगुना टैरिफ की घोषणा। ट्रंप ने 4 जून से स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ़ दोगुना करके 50त्न तक करने का ऐलान किया है।

इसके साथ ही ट्रंप टैरिफ को लेकर अमेरिका के अंतराष्ट्रीय कोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है।

इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार को लेकर समझौते पर संदेह जताया जा रहा है।

इस बीच रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध तेज हो गया है।

इन सभी कारणों के चलते एमसीएक्स में सोने का दाम इतना बढ़ा है। जभी भी विश्व में अनिश्चिता बढ़ जाती है, सोने और चांदी के दाम में बढ़ोतरी दर्ज होती है। क्योंकि ऐसे में सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। ट्रंप ऐलान से पहले अजय केडिया ने सोने की कीमत 85,000 रुपये प्रति 10 ग्राम होने का अनुमान लगाया था। हालांकि अब ये स्थिति बदल सकती है।

बड़े काम का है यूपीआई का ये फीचर, अकाउंट में 0 रुपये होने के बाद भी हो जाएगी पेमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई सर्कल का उद्देश्य यूपीआई को और सुविधाजनक बनाना है। इसके तहत वे लोग भी यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे, जिनके पास अकाउंट नहीं है। ये बच्चे और वृद्ध लोगों के लिए बेहतर विकल्प साबित हुआ, जो खासतौर पर गांव में रहते हैं। आपके अकाउंट में चाहे शून्य क्यों ना हो। बस शर्त है कि बच्चा या वृद्ध व्यक्ति रिश्तेदार या दोस्त द्वारा यूपीआई सर्कल में शामिल किया गया हो।

पहले जानते हैं कि ये प्रोसेस काम कैसे करता है।

यूपीआई सर्कल में दो अलग-अलग पार्टी शामिल होती हैं। पहली वो जिनका बैंक अकाउंट जोड़ा जा रहा है। इसी बैंक अकाउंट से पेमेंट की जाती है। इन्हें प्राइमरी यूजर कहा जाता है। दूसरा वो जो दूसरों के अकाउंट से पेमेंट करेंगा, इन्हें सेकेंडर यूजर कहा जाता है।

अब पहले प्राइमरी यूजर, अपने रिश्तेदार या दोस्त को सर्कल में शामिल करने के लिए Invite भेजना होगा।

इसके बाद सेकेंडरी यूजर को भेजे गए Invite को यूपीआई ऐप के जरिए स्वीकार करना होगा।

प्राइमरी यूजरी दो तरीके से पेमेंट का चयन कर सकता है। पहला वे पेमेंट के लिए एक तय सीमा के लिए निश्चित अमाउंट फिक्स कर सकता है। दूसरे विकल्प में सेकेंडरी यूजर द्वारा की गई हर पेमेंट की रिक्वेस्ट उसके पास आएगी।

ब्याज के ऊपर ब्याज, किन सरकारी स्कीम में मिलता ऐसा फायदा, जानिए कैसे जुड़ता है चक्रवृद्धि ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक खाते से लेकर एफडी और अन्य बचत योजनाओं में ब्याज मिलता है। इनमें, एक होता है साधारण ब्याज और दूसरा होता है चक्रवृद्धि ब्याज, आपने अक्सर इसके बारे में सुना होगा. लेकिन, क्या आप जानते हैं कंपाउंडिंग इंटरेस्ट क्या होता है, और किन सरकारी बचत योजनाओं में चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है।

कंपाउंडिंग इंटरेस्ट में पैसा और तेजी से बढ़ता है क्योंकि इसमें ब्याज से होने वाली कमाई पर भी ब्याज मिलता है. आइये आपको बताते हैं कैसे होती है चक्रवृद्धि ब्याज की गणना और किन लोकप्रिय सरकारी स्कीमों में कंपाउंडिंग इंटरेस्ट मिलता है।

क्या होता है चक्रवृद्धि ब्याज- चक्रवृद्धि ब्याज में ब्याज से अर्जित होने वाली आय पर भी ब्याज मिलता है। दरअसल, कंपाउंडिंग इंटरेस्ट ब्याज की गणना ना सिर्फ मूलधन पर बल्कि पिछली अवधियों के अर्जित ब्याज पर भी की जाती है। ऐसे में ब्याज की रकम मूल राशि में जुड़ती जाती है और उस पूरी रकम पर इंटरेस्ट का कैलकुलेशन होता है।

मान लीजिए, आपने किसी बचत योजना में 1 लाख रुपये का निवेश किया, जिसमें हर साल 7 फीसदी की दर से सामान्य ब्याज मिलता है तो प्रतिवर्ष आपको मूल रकम पर 7000 रुपये इंटरेस्ट मिलेगा।

अगर आपने एक लाख रुपये की यह रकम किसी ऐसी सेविंग स्कीम में लगाई है जहां 7 फीसदी की दर से चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है तो पहले साल आपको इंटरेस्ट इनकम के तौर पर 7000 रुपये मिलेंगे, और यह पैसा आपके मूलधन में जुड़ जाएगा और अगले वर्ष आपको 107000 पर 7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

इस तरह चक्रवृद्धि ब्याज के चलते हर साल मूलधन में ब्याज जुड़ता जाता है और उस रकम पर इंटरेस्ट का कैलकुलेशन होता है, इसलिए कंपाउंडिंग इंटरेस्ट वाली स्कीम में पैसा और तेजी से बढ़ता है।

रिलायंस पावर की तेजी के पीछे अंबानी परिवार के ये दो बेटे, पापा का कर्ज उतारा, अब तेजी से बढ़ा रहे बिजनेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस ग्रुप देश का एक बड़ा औद्योगिक घराना है। एक वक्त था जब इस व्यापारिक समूह की जिम्मेदारी मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी, दोनों भाइयों के कंधों पर थी, लेकिन धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद दोनों भाइयों के बीच बिजनेस को लेकर बंटवारा हो गया। मुकेश अंबानी के पास जहां पेट्रो केमिकल्स समेत अन्य बिजनेस वेंचर आए तो अनिल अंबानी के हिस्से में रिलायंस कम्युनिकेशन समेत दूसरे कारोबार आए। इससे उन्होंने रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (रिलायंस एडीएजी) बनाया।

हालांकि, जिस रफ्तार से मुकेश अंबानी ने अपने पिता के व्यापारिक साम्राज्य को आगे बढ़ाया, अनिल अंबानी ऐसा नहीं कर पाए। मुकेश अंबानी का बिजनेस लगातार बढ़ता रहा और वे भारत समेत एशिया के सबसे अमीर आदमी बन गए, तो वहीं अनिल अंबानी के कई बिजनेस वेंचर चौपट हुए और वे भारी कर्ज में डूब गए.

वहीं, अब ऐसा लग रहा है कि अनिल अंबानी के अच्छे दिन शुरू हो गए हैं। क्योंकि, अब अंबानी परिवार में बिजनेस की जिम्मेदारी तीसरी पीढ़ी के कंधों पर आ गई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश

नकली नोट छापने वाला गिरोह पकड़ाया, लाखों रुपए के नोट बाजार में खपाने की आशंका

देवास। लैपटॉप, प्रिंटर, स्केनिंग पेटी की मदद से सोनकच्छ क्षेत्र के खेड़ाखजूरिया गांव में नकली नोट छापने और उनको इधर-उधर खपाने में लगे गिरोह का बीएनपी पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में कुल पांच आरोपित अभी तक गिरफ्तार किये गए हैं। इनके पास से करीब 15.41 लाख रुपये के नकली नोट सहित इनको छापने की सामग्री जब्त की गई है। पांच से चार आरोपित देवास जिले के जबकि एक बुरहानपुर जिले का रहने वाला है। इनके द्वारा लाखों रुपये नकली नोट छापकर बाजार में खपाने की भी आशंका है। बीएनपी पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बाइक सवार दो युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा।

इनकी तलाशी लेने पर करीब 1.96 लाख रुपये मिले जो जांच में नकली पाये गए।

पूछताछ में इन्होंने अपने नाम सचिन नागर निवासी ग्राम दुधलाइ सोनकच्छ व शुभम वर्मा निवासी आगरोद देवास बताये।यह भी बताया कि इनके दोस्त राजकुमार मालवीय निवासी ग्राम खेड़ाखजूरिया सोनकच्छ द्वारा अपने घर पर नकली नोट छापे जा रहे हैं।

इसके बाद पुलिस टीम ने राजकुमार के घर पर दबिश दी जहां से राजकुमार सहित उसके दोस्त सुनील पाटिल निवासी खकनार जिला बुरहानपुर को गिरफ्तार किया गया।

इनके पास से 13.25 लाख रुपये से अधिक की 500-500 के नकली नोटों की गड्डियां जब्त की गईं। कुछ आधे छपे नोट भी जब्त किये गए हैं।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटने से सरपंच की मौत, बेटे सहित दो गंभीर

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र के मादा गांव के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्राम पंचायत मादा के सरपंच पप्पू उर्फ बेनी प्रसाद यादव (45) की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र निखिल यादव (22) और रिश्तेदार मुन्ना यादव (48) गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों किसी कार्य से सकरा गांव गए थे। कार से लौटते समय हादसे का शिकार हो गए।

दोपहर को जब वे वापस लौट रहे थे। इस दौरान मादा गांव के मोड़ पर उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसी और पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति अधिक थी। जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां सड़क निर्माणाधीन थी। निर्माण स्थल से गुजरते समय चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे कार पलट गई। खेत में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को बाहर निकाला। तीनों को गंभीर अवस्था में पाटन स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सरपंच बेनी प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। निखिल यादव और मुन्ना यादव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे के बाद शोक में गांव पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच जारी है। हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

विवादों में आए दतिया एसपी, चंबल रेंज के डीआईजी-आईजी और कटनी एसपी को सीएम ने हटाया

भोपाल । दतिया एयरपोर्ट के लोकार्पण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी वीरेन्द्र मिश्रा और आइजी सुशांत सक्सेना बीच तीखी नोकझोंक से नाराज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन दोनों के साथ डीआईजी कुमार सौरभ को हटा दिया है। इसके साथ ही कटनी में सीएसपी ख्याति मिश्रा व उनके तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा के बीच विवाद में एसपी अभिजीत रंजन का नाम आने पर उन्हें भी तत्काल हटाने के आदेश दिए, जिसके बाद देर रात गृह विभाग ने 10 आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी कर दिए।सूरज वर्मा को दतिया एसपी बनाया गया

अब सचिन कुमार अतुलकर को चंबल रेंज का आईजी, सुनील कुमार जैन को डीआईजी और सूरज वर्मा को दतिया एसपी बनाया गया है। वहीं, कटनी एसपी अभिनव विश्वकर्मा को बनाया गया है। बता दें, सचिन अतुलकर और कुमार सौरभ जनवरी में आईजी के पद पर पदोन्नत हो गए थे, पर अभी तक नई पदस्थापना नहीं मिलने से डीआईजी का ही काम कर रहे थे। अतुलकर के पास जबलपुर आईजी का अतिरिक्त प्रभार था, अब उनकी जगह सागर आईजी प्रमोद वर्मा को जबलपुर आईजी बनाया है।

लोकसेवा में ऐसा व्यवहार खेदजनक- मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट किया कि कटनी के पुलिस अधीक्षक और दतिया के पुलिस अधीक्षक तथा आईजी, डीआईजी चंबल रेंज द्वारा ऐसा व्यवहार किया गया जो लोकसेवा में खेदजनक है।

FasTag में बड़ा गड़बड़झाला...गाड़ियां घर पर, लेकिन सैंकड़ों किलोमीटर दूर कट रहा टोल टैक्स

ग्वालियर। टोल प्लाजा पर लंबी लाइन और पैसों के लेनदेन को लेकर होने वाले झंझट से आम लोगों को बचाने के लिए फास्टैग व्यवस्था लागू की गई, लेकिन अब फास्टैग का गड़बड़झाला लोगों को परेशान कर रहा है। लोगों की गाड़ियां घर के अंदर रखी हैं, लेकिन फास्टैग से टोल टैक्स सैंकड़ों किलोमीटर दूर के टोल प्लाजा से कट रहा है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे मामले लगातार बढ़े हैं।

हैरानी की बात तो यह है कि लोगों के पैसे खाते से अपने आप कट गए। जब इस संबंध में ईमेल या हेल्पलाइन नंबर के जरिए शिकायत करने का प्रयास किया तो कोई जवाब ही नहीं मिला। यह स्थिति असहज करने वाली है। टोल प्लाजा संचालित करने वाली कंपनी अलग है, जबकि फास्टैग बैंक या पे-वॉलेट कंपनियों से जारी होता है। यह गड़बड़झाला कैसे हो रहा है, इसका जवाब किसी के पास नहीं है, लेकिन इसमें आम लोगों की जेब जरूर कट रही है।आखिर कैसे हो रहा गड़बड़झाला?

पहला मामला है अंशुल गुप्ता का उनका कहना है कि मैं होटल संचालक हूं। मेरी कार स्क07ष्ठ3941 मेरे पिता गोपाल गुप्ता के नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन इस पर जो फास्टैग लगा है, वह मेरे मोबाइल नंबर और बैंक खाते से लिंक है। इसलिए जब भी टोल टैक्स कटता है तो मेरे पास ही मैसेज आता है। 23 मई को मेरी कार महाराज बाड़े पर घर के बाहर खड़ी थी। अचानक मेरे मोबाइल पर फास्टैग कटने का मैसेज आया। खाते से 60 रुपये कट गए। यह टैक्स महाराजपुरा स्थित बरेठा टोल प्लाजा से काटा गया। तमाम प्रयास किए, लेकिन न तो खाते में रुपये वापस आए, न ही कोई जवाब मिला कि पैसा कैसे कट गए।दूसरा मामला केशर अपार्टमेंट निवासी संजय यादव का है उनका कहना है कि मैं भिंड रोड स्थित निजी कंपनी में काम करता हूं। मैं फैक्ट्री अपनी कार स्क07ष्टत्र5566 से ही जाता हूं। 24 मई को मैं अपनी कार से फैक्ट्री गया। कार फैक्ट्री परिसर के अंदर रखी हुई थी, मैं अपने काम में लगा था। तभी अचानक मेरे मोबाइल पर 665 रुपये टोल टैक्स कटने का मैसेज आया। यह रुपये फतेहाबाद आगरा के टोल प्लाजा से काटे गए थे, मैं परेशान हो गया।

मैंने पहले तो कंपनी के हेल्पलाइन नंबर पर काल करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। फिर दो अलग-अलग ईमेल आइडी पर ईमेल भी किए, लेकिन आज तक कोई जवाब ही नहीं आया। अब यह समझ नहीं आ रहा, आखिर गाड़ी यहां रखी थी और टोल टैक्स वहां कैसे कट गया। कोई अथॉरिटी ही नहीं है, जिससे संपर्क किया जा सके।

घबरा रहे कार ड्राइवर

जिन लोगों के साथ ऐसा हुआ है, वह परेशान हैं। उनका कहना है कि अब कार के नंबर से भी टोल टैक्स कटने लगा है। लोगों को आशंका है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि उनकी कार के नंबर का इस्तेमाल कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग कर रहे हों। टोल प्लाजा से नंबर के आधार पर टोल टैक्स कटाकर निकले हों। ग्वालियर में भी ऐसे कई आरोपी पकड़े गए, जो अपराध करने के बाद दूसरी गाड़ियों की नंबर प्लेट लगाकर भागे थे।

राजपुर में पांचवीं मौत के बाद टूटा ग्रामीणों का सब्र, पैदल राजपुर पहुंचकर स्टेट हाईवे किया जाम

बड़वानी। जिले के राजपुर विकासखंड के ग्राम लिंबई में अज्ञात वन्य प्राणी के चलते पांच लोगों की मौत व दो गायों की मौत का मामला तूल पकड़ने लगा है। गांव के लोगों ने सोमवार सुबह पैदल ही राजपुर की ओर रूख किया। राजपुर पहुंचकर वन परिक्षेत्र कार्यालय में अधिकारियों से चर्चा की, लेकिन संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों के सब्र का बांध टूट गया और खंडवा-बड़ौदा स्टेट हाईवे पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। उक्त घटनाक्रम की सूचना मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मंच गया। मौके पर पुलिस बल तैनात हो गया। स्टेट हाईवे जाम करने की सूचना पर मुख्यालय से कलेक्टर गुंचा सनोबर व एसपी जगदीश डावर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की।

दरअसल, 5 मई की तड़के घर के बाहर सो रहे 18 लोगों को अज्ञात जानवर ने काटा था। इसमें करीब 24 दिन के दौरान उपचाररत दो महिलाओं और दो पुरुषों की मृत्यु हो गई है। वहीं पांचवें व्यक्ति ने रविवार को दम तोड़ दिया। हमले के बाद जहां गांव में दहशत व्याप्त है।वहीं इसके मुआवजे को लेकर राजपुर आए ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद चार लोगों की मौत का मामला उजागर हुआ था।

जल संचय करने वाले जिलों में देश में खंडवा बना नंबर वन

इंदौर। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहां राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जल संरक्षण अभियान में मध्यप्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी का संचयन करने तथा पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।उन्होंने खंडवा के नागरिकों,जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. यादव ने कहा है कि पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा।

बारिश के पानी को बचाने खंडवा जिले में किए गए यह कार्य अभूतपूर्व हैं- जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं मनरेगा आयुक्त श्री अविप्रसाद ने बताया कि खंडवा जिले में अभियान अंतर्गत मनरेगा, 15वां वित्त, 5वां वित्त, सीएसआर एवं जनसहयोग से 1 लाख 29 हजार 46 से अधिक संरचनाओं का निर्माण एवं पंजीकरण किया गया है। इसमें 12750 कूप रिचार्ज पिट, 1500 रिचार्ज सॉफ्ट, 23570 डगवेल, 5780 बोल्डर चेकडेम, 1256 बोल्डर वॉल, 3960 बोरीबंधान, 7455 पत्थर/मिट्टी के फील्डबण्ड, 5500 गलीप्लग (गेबीयन/लूज बोल्डर), 3269 नाला ट्रेंच, 6528 हैंडपंप रिचार्ज, 39000 रूफवाटर हार्वेस्टिंग, 58 चेकडैम/स्टॉपडैम/तालाब, 4800 पोखर तालाब, 2275 ड्रेनवर्क, 1500 खेत तालाब, 68 कंटूर ट्रेंच, 750 सूखे बोर रिचार्ज, 2462 जीर्णोद्धार कार्य एवं 6560 अन्य जल संरक्षण के जैसे जल संरचनाओं का पुनरुद्धार, हैंडपंप पुनर्भरण, सूखे बोरवेल का पुनर्भरण और कुएं के पुनर्भरण कार्य शामिल हैं।

भौतिक सत्यापन के बाद होगी पुरस्कार की घोषणा- केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के बाद भारत सरकार द्वारा जिले में हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार की घोषणा की जाएगी।उल्लेखनीय है कि जल संचय, जनभागीदारी अभियान अंतर्गत एक अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 के बीच जो निर्माण किया गया है, उसके आधार पर खंडवा जिला देश में पहले नंबर पर है।

क्या है जल संचय, जन भागीदारी अभियान- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल प्रबंधन को लेकर समग्र दृष्टिकोण के अंतर्गत सरकार तथा समाज के समन्वित प्रयासों द्वारा विविध जल आवश्यकताओं को पूरा करने पर बल दिया। इसका उद्देश्य जहां गिरे, जब गिरे - वर्षा का जल संचित करें के मंत्र के साथ वर्षा जल संचयन और जन सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अभियान की सफलता के आधार पर जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने 6 सितंबर 2024 को जल शक्ति अभियानः कैच द रेन के तहत जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य कम लागत, वैज्ञानिक और सामुदायिक तरीके से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना एवं समुदायों की भागीदारी के माध्यम से कृत्रिम भू जल पुनर्भरण की आवश्यकता के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है, जिससे जल संकट जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा सके। साथ ही सामुदायिक भागीदारी से विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों को जल संरक्षण परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है।

जन-भागीदारी से जल संरचनाओं का निर्माण एवं पुनरुद्धार करने के साथ ही कम लागत में बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों का पुनरुद्धार करना भी अभियान में शामिल हैं।

मेट्रो में उमड़ी भीड़, त्योहार जैसा माहौल, 26,000 यात्रियों ने लिया मुफ्त सफर का मजा

इंदौर। मेट्रो में रविवार को एक विशेष माहौल देखने को मिला, जब 15,000 से अधिक यात्री दिनभर मेट्रो में यात्रा करने पहुंचे। मेट्रो के मुफ्त सफर का आनंद लेने के लिए लोग शहर के विभिन्न हिस्सों से गांधी नगर टर्मिनल तक पहुंचे। यहां दिनभर भीड़ देखी गई और सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे तक मेट्रो सेवाएं जारी रहीं। मेट्रो के बीच के स्टेशनों पर भी नियमित रूप से स्टॉपेज होते रहे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिली।

पहले सप्ताह में मेट्रो की मुफ्त यात्रा- इंदौर मेट्रो की शुरुआत के पहले हफ्ते में यात्रियों को मुफ्त यात्रा का मौका दिया गया था। पहले दिन टिकट व्यवस्था लागू नहीं की गई थी, जिससे यात्री बिना किसी शुल्क के यात्रा कर सके। हालांकि, दूसरे हफ्ते से मेट्रो की यात्रा पर डिस्काउंट रेट पर टिकट उपलब्ध होंगे और टिकट की व्यवस्था मैन्युअल तरीके से की जाएगी।

रात 8 बजे तक चलेगी मेट्रो सेवा- इंदौर मेट्रो का संचालन गांधी नगर से लेकर स्टेशन नंबर 3 तक किया जाएगा। मेट्रो दोनों दिशा में सुबह 8 बजे से एक साथ चलेगी और रात 8 बजे आखिरी फेरा लगाया जाएगा। इस दौरान हर 30 मिनट के अंतराल पर एक मेट्रो कोच सेट का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर समय में बदलाव किया जा सकता है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए यह फैसला लिया है।

मांगलिया स्टेशन से डायवर्ट होगा यातायात, लाखों वाहन चालकों को नए रास्तों से जाना होगा

इंदौर। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत मांगलिया स्टेशन के समीप स्थित फाटक क्रमांक 45 को बंद कर वहां रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस कारण सड़क को बंद कर यातायात डायवर्ट किया जाना प्रस्तावित है। इसी संबंध में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज रेसीडेंसी कोठी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में लोक निर्माण विभाग, रेलवे, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, बीपीसीएल, पुलिस विभाग, निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

यातायात डायवर्जन के लिए भौतिक सर्वे व बेहतर प्रबंध के निर्देश- मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मार्गों से यातायात डायवर्ट किया जाना है, वहां का भौतिक सर्वेक्षण कर संभावित समस्याओं का बिंदुवार समाधान सुनिश्चित करें। डायवर्ट किए जा रहे मार्गों पर गड्ढों को भरने के लिए पेचवर्क कर सड़क को सुगम बनाया जाए।

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत 5 जून से बाल विनय मंदिर स्कूल नेहरू नगर से होगी

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर स्वास्थ्य विभाग एवं श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत आगामी 5 जून से होने जा रही है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये जून माह में इंदौर जिले में 13 स्वास्थ्य संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे। इन शिविरों में आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की जाएगी। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी जो नागरिकों को मुफ्त परामर्श, परीक्षण तथा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता होने पर उपचार भी मुहैया कराया जायेगा। संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन हेतु टीम गठित की गई है। यह टीम शिविर स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, अस्थायी टॉयलेट आदि की व्यवस्था करेगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें और नियमित स्वास्थ्य जाँच करायें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान कराना एवं रोकथाम हेतु मदद पहुंचाना है। संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि प्रथम शिविर 5 जून को बाल विनय मंदिर स्कूल नेहरू नगर में आयोजित होगा। दूसरा शिविर 9 जून को सीएम राइज स्कूल नंदानगर में, तीसरा शिविर 10 जून को सन्मति स्कूल रेसीडेंसी एरिया में होगा। इसी प्रकार 11 जून को महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज राजेन्द्र नगर, 12 जून को कन्केवश्वरी स्कूल नंदानगर, 14 जून को एडवांस एकेडमी निपानिया, 16 जून को जिला अस्पताल धार रोड, 18 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा, 21 जून को यूपीएचसी गुमास्ता नगर, 23 जून को बिचौली हप्सी पीएचसी एवं स्कूल, 26 जून को खजराना गणेश मंदिर, 28 जून को यूपीएचसी खजराना और 30 जून को गाँधी हॉल में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे। अरविंदो अस्पताल के संस्थापक डॉ. विनोद भण्डारी ने बताया कि विशेषज्ञ डॉक्टर शिविर में मौजूद रहकर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श देंगे और आवश्यकता के अनुसार उपचार भी करेंगे।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस सभी स्टेकहोल्डर के साथ विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय, विमानतल निदेशक श्री विपिनकांत सेठ, सीनियर कमांडेंट सीआईएसएफ श्री दलाई जी, एसीपी श्री विवेक चौहान, सीएमएचओ श्री बी.एस. सैत्या, एयरपोर्ट मैनेजर श्री अमोल ठाकुर तथा नगर निगम, बीएसएफ एवं विमानतल सुरक्षा संबंधी अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि पंछियों के हवाई जहाज से टकराने के कारण होने वाले हादसे के संबंध में 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से अवेयरनेस का काम किया जाए। बिजासन टेकरी के मेला क्षेत्र के सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गये कि प्रचालन क्षेत्र में मिलने वाले सियार, जंगली बिल्ली जैसे वन्य जीवों के नियंत्रण हेतु विमानतल प्रबंधन की सहायता करें और इन जीवों को रिलोकेट करें।

नागरिकों को नहीं हो यातायात में परेशानी :- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मांगलिया स्टेशन के पास फाटक क्रमांक 45 को बंद करके रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाया जा रहा है। इस रोड को बंद कर डायवर्ट करने की तैयारी के संबंध में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज रेसीडेंसी कोठी में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, रेलवे, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया, बीपीसीएल, पुलिस, निर्माण एजेंसी के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री श्री सिलावट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन-जिन स्थानों से यातायात डायवर्ट किया जाना है, उन स्थानों का भौतिक सर्वे करें तथा यातायात में आने वाली समस्याओं का बिंदुवार समाधान करें। जिन मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया जा रहा है, वहां की सड़कों के गड्ढे पेचवर्क कर पूरी तरह भरे तथा डायवर्सन हेतु जगह-जगह स्टॉपर, बैरिकेडिंग की जाए। श्री सिलावट ने कहा कि यातायात डायवर्सन हेतु वैकल्पिक रास्तों पर जाने में वाहनों और आम जनता को कोई परेशानी ना हो, इसका पूरी तरह से ध्यान रखा जाए। संबंधित विभागों द्वारा हतुनिया, सांवेर बायपास, मांगलिया व शिप्रा पर सूचना हेतु पर्याप्त साइन बोर्ड, मरम्मत कार्य की सूचना हेतु दृश्य स्थल पर बोर्ड, फ्लेक्स, होर्डिंग आदि अधिक से अधिक लगाये जाए तथा जनता को इसके बारे में जागरूक करें कि उनकी सुविधा हेतु यह कार्य किए जा रहे हैं।

श्री सिलावट ने रेलवे के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश दिए की संपूर्ण कार्य हेतु उपयोग किए जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता एवं क्वालिटी का पूरा ध्यान रखा जाए, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 में इस रोड पर सबसे ज्यादा ट्रॉफिक रहेगा। रोड डायवर्शन हेतु लोक निर्माण विभाग की सड़क तराना-मांगलिया- व्यासखेड़ी मार्ग को ग्राम हतुनिया से मांगलिया सड़क तक बंद रखा जाएगा।

इस हेतु वैकल्पिक मार्ग मांगलिया से नेशनल हाईवे-52 से शिप्रा (बुढी-बरलाई) से होते हुए हतुनिया से सांवेर होगा। साथ ही एचपीसीएल,आइओसीएल बीपीसीएल के ज्वलनशील पदार्थ से भरे ट्रक जो उज्जैन से जुड़े अन्य जिलों में जाते हैं, इनके लिए वैकल्पिक मार्ग मांगलिया से नेशनल हाईवे-52 से होते हुए शिप्रा (देवास) मार्ग से ह॥752ष्ठ (शिप्रा-उज्जैन बाईपास रोड) से उज्जैन होगा।

हनीमून पर खतरनाक जगह गए थे राजा और सोनम, घने जंगल और पहाड़, खासी जनजाति भी है वहां

इंदौर। इंदौर के नवविवाहित कपल राजा और सोनम रघुवंशी का 11वें दिन तक कोई पता नहीं चल सका है। दोनों हनीमून मनाने के लिए मेघालय गए थे। ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद उनकी कोई खबर नहीं मिली है। उनकी तलाश में कई टीमें लगी हैं और सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन भी इन टीमों के साथ में हैं। अमर उजाला ने इन टीमों के सदस्यों से बात की और पता लगाया कि वहां पर क्या हालात हैं।

रेस्क्यू टीमों के साथ काम कर रही अंतरराष्ट्रीय संस्था यूथ होस्टल के अधिकारियों ने अमर उजाला को बताया कि सोनम और राजा जहां लापता हुए हैं वहां पर बहुत खतरनाक क्षेत्र है। पहले भी कई हादसे हो चुके हैं और फिसलन के कारण ही गहरी खाई में गिर जाते हैं। राजा का भाई विपिन भी इन टीमों के साथ में है और यही बात विपिन ने इंदौर में अपने भाई सचिन रघुवंशी को भी बताई है। मेघालय यूथ होस्टल एसोसिएशन के चेयरमैन ईडी नानशियांग ने बताया कि यहां पर लगातार मौसम बदलता है और बारिश होती रहती है। फिसलन और घने कोहरे के कारण पहले भी कई बार लोग फिसल कर हादसे का शिकार हो चुके हैं। लगातार होती बारिश, कोहरे और घने जंगलों की वजह से उन्हें तलाशना भी आसान काम नहीं होता है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

उज्जैन प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने का केंद्र बनेगा- कलावती यादव

माधव कॉलेज में पर्यावरण केंद्रित पोस्टर प्रतियोगिता में विधायक सहित बच्चों ने भाग लिया

उज्जैन । उज्जैन क्लाइमेट फोर्टनाइट के अंतर्गत 22 मई से 9 जून तक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। माधव कॉलेज में सीमित पृथ्वी ,सीमित उपभोग और प्लास्टिक से दूर रहें का संदेश देने वाली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्लास्टिक को समाप्त करने का संदेश देने वाले इस कार्यक्रम के शुभारंभ में उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि प्रदेश के साथ ही उज्जैन नगर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने वाला केंद्र बनने जा रहा है। हमें पर्यावरण

बचाने के लिए प्लास्टिक को समाप्त करना होगा। वाटर हार्वेस्टिंग में खंडवा जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ष उज्जैन को प्रथम स्थान दिलाने के लिए नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। माधव कॉलेज के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए श्रीमती यादव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चे और बड़े सभी प्लास्टिक को नकारने के लिए जागरूक बनेंगे।

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा की पर्यावरण के संरक्षण का यह अभियान सराहनीय है। बालिका संरक्षण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पढ़ने वाली जिन बालिकाओं के पिता नहीं हैं, उन्हें विधायक निधि से?10000 की राशि सहायता के रूप में दी जाएगी।

अतिथि स्वागत, और स्वागत वक्तव्य प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने दिया। कार्यक्रम में जन भागीदारी के अध्यक्ष बुद्ध सिंह सेंगर, कालिदास कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वंदना गुप्ता, जीडीसी के प्राचार्य डॉ प्रशांत पुराणिक, समाजसेवी जगदीश पांचाल, पार्षद गब्बर भाटी, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र आंजना,और मंडल महामंत्री शानू मेहता उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ जफर महमूद ने किया। आभार कार्यक्रम संयोजक डॉ अल्पना उपाध्याय ने व्यक्त किया।

प्रदेश कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी श्रमिक महासंघ उज्जैन जिला की बैठक संपन्न

श्रमिकों की समस्याओं पर विचार विमर्श कर बनाई कार्य योजना

उज्जैन। मध्य प्रदेश कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी श्रमिक महासंघ उज्जैन जिला की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रमिक हित में श्रमिकों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया एवं कार्य योजना बनाई गई। बैठक में तय किया कि राज्य सरकार से भारतीय मजदूर संघ एवं महासंघ के शीर्ष नेतृत्व में समस्याओं का निराकरण करने हेतु चर्चा की जाएगी। भारत माता की जय के साथ सभी लोगों ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

भारतीय मजदूर संघ उज्जैन आगर विभाग प्रमुख सतीश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित बैठक में दैनिक वेतन भोगी महासंघ के प्रदेश महामंत्री प्रदीप कुमार झा, प्रदेश मंत्री इलियास खान, विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष दिलीप पटेरिया, कृषि विभाग सुरैया बी, कालिदास कन्या महाविद्यालय से सुनील कलोसिया, वन विभाग से विनोद वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर महासंघ के संभाग संयोजक महेंद्र उपाध्याय को मनोनीत किया गया एवं जिला संयोजक महासंघ मंगल तिवारी को मनोनीत किया गया।

जिसका विभाग प्रमुख सतीश शर्मा द्वारा समर्थन किया गया एवं अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष दिलीप पटेरिया द्वारा विभाग प्रमुख सतीश शर्मा का अंग वस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। यह जानकारी भारतीय मजदूर संघ के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने दी।

प्रो. बुधौलिया को श्रेष्ठ कला आचार्य की मानद उपाधि से विभूषित किया जायेगा

उज्जैन। विक्रम विवि उज्जैन हिंदी अध्ययन शाला के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हरिमोहन बुधौलिया को भोपाल की साहित्य, संगीत और कलाओं की मानक संस्था 'मधुबन' द्वारा श्रेष्ठ कला आचार्य की मानद उपाधि से विभूषित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने बताया कि मधुबन संस्था द्वारा आगामी 12 जुलाई को तुलसी मानस भवन, भोपाल में आयोजित होने जा रहे 55वें गुरु वंदना महोत्सव में प्रो. बुधौलिया का सार्वजनिक अभिनन्दन कर, आपकी साधना और अवदान को नमन करते हुए, संस्था अपनी सच्ची सामाजिक कृतज्ञता व्यक्त कर, सम्मानित कर श्रेष्ठ कला आचार्य की मानद उपाधि से विभूषित करेगी।

जीवनदीप सोशल वेलफेयर सोसायटी के पीपाड़ा बने अध्यक्ष, हर्षवर्धन सचिव

उज्जैन। विगत कई वर्षों से जीवनदीप सोशल वेलफेयर सोसायटी शहर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है, उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए एक वृहद स्वास्थ्य प्रकल्प जैन डायग्नोस्टिक सेन्टर,आगर रोड़ का कार्य भी प्रगति पर है।

उपरोक्त सभी प्रकल्पों हेतु समयानुसार टीम में परिवर्तन एवं नई ऊर्जा का संचार आवश्यक है,संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र नाहर जी ने अपने वक्तव्य में यह बात कहीं।

नवनियुक्त पदाधिकारीयों में प्रदीप पीपाड़ा अध्यक्ष,राजेश कटारिया उपाध्यक्ष,अजीत मारू उपाध्यक्ष, हर्षवर्धन जैन सचिव, दीपक चोपड़ा कोषाध्यक्ष,विशाल जैन सहसचिव,राकेश पावेचा सहसचिव,योगेश जैन संगठन सचिव,सी.ए.असीम जैन प्रचार मंत्री एवं मुख्य सदस्य अंकुर नाहर एवं पंकज जैन के नाम घोषित किये गए।उक्त कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष आदरणीय श्री महेंद्र जी नाहर का बहुमान कार्यक्रम हुआ,जिसमें नवनियुक्त अध्यक्ष ने उनसे कार्यनिर्देशक की भूमिका में रहने का वचन मांगा एवं सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि यह पद मात्र व्यवस्था स्वरूप है,संस्था में सभी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष है, जीवनदीप जैसी संस्था में सभी साथी अपना सहयोग तन-मन-धन से कर रहे है, उसके संचार की गति सभी सदस्यों को बराबर रूप से सही दिशा में बढ़ानी है एवं समाज को संस्था से अधिक से अधिक लाभ पहुंचे इसके निरंतर प्रयास करने है।

संस्था के खाराकुआं सेंटर पर अब तक की गयी 95,000 फिजियोथेरेपी का नया रिकॉर्ड भी स्टॉफ ने बैठक में सूचित किया।उपरोक्त जानकारी नव नियुक्त प्रचार मंत्री सी.ए असीम जैन द्वारा दी गई।

सिंधी भाषा सिखाने के लिए आज से 14 जून तक चलेगा सिंधी भाषा प्रशिक्षण शिविर

उज्जैन। भारतीय सिंधु सभा उज्जैन की सभी शाखाओं एवं सिन्धी राष्ट्रीय मंच के द्वारा आज 3 जून से 14 जून तक झूलेलाल मंदिर सिंधी कॉलोनी में बच्चों के लिए सिंधी भाषा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं।

12 दिवसीय शिविर को लेकर झूलेलाल मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें रमेश गजरानी, दीपक बेलानी, चिमनदास लखानी, कुमार किशन, राजकुमार परसवानी, पुष्पा कोटवानी, स्वाति गजरानी, डॉ मीना वाधवानी, नीलम माखीजानी, हर्षा नानवानी, दीपा वासवानी, दीपा खत्री, नेहा मोटवानी, शोभा शर्मा, पलक वाधवानी, पूजा खेमानी आदि मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रशिक्षण प्रतिदिन शाम 5 बजे से 6.30 तक दिया जाएगा। इस शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा।

साथ ही रोज उनके नाश्ते की भी व्यवस्था रहेगी। शिविर में प्रत्येक 4 दिन के पश्चात दो बच्चों को अच्छे प्रदर्शन पर पुरस्कार दिया जाएगा। शिविर के पूर्ण होने के पश्चात प्रथम पांच बच्चों को जो शिविर में अपना अच्छा प्रदर्शन करेंगे पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र सिंधी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा दिया जाएगा। इस शिविर में शामिल होने वाले प्रतिभागियों में रियांश शेवारामानी, पल लालवानी, लक्ष चेलानी, अभिमन्यु हंस, खुशी परसवानी, भव्य रोचवानी, मान्य रोचवानी, मोही थारवानी, अंश थारवानी, भव्य लुधानी, काव्या खत्री, हिमांश टेकचंदानी, निष्ठा नारवानी, एंजेल लालवानी, नव्या लालवानी, रिशित, अचित, महर चौधरी, मायरा चौधरी, सानवी खेमानी, लक्ष्य खेमानी, भाविका मोटवानी, मुस्कान खत्री, गीत वाधवानी, टिया वाधवानी, तरुण पमनानी, मनुशी पमनानी, नयन बेलानी, लक्ष्य बेलानी, कनिका बेलानी, दिशा शर्मा शामिल हैं।

शिविर में 100 प्रतिशत उपस्थिति पर सभी को पुरस्कार दिये जाएंगे साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। रमेश गजरानी अध्यक्ष, महेश गंगवानी महासचिव, राजकुमार परसवानी सचिव, स्वाति गजरानी अध्यक्ष, गोपी राजवानी महासचिव, हर्षा नानवानी सचिव, पुष्पा कोटवानी राष्ट्रीय पदाधिकारी, डॉ मीना वाधवानी प्रदेश सचिव, नीलम माखीजानी प्रदेश उपाध्यक्ष, किशोर मुलानी अध्यक्ष, कमल शाहलानी सचिव ने समस्त समाजजनों से अनुरोध किया है कि अपने 8 वर्ष से बड़े बच्चों और शादीशुदा बहनें तथा भाई नाम लिखवा कर सिन्धी भाषा सीखने का मौका लें जिससे हर घर में सिंधी बोली जाए।

वर्धमान ग्रुप द्वारा बाल युवा संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य आयोजन आज से

उज्जैन। देश के बच्चे एवं युवा संस्कारित होंगे तो समाज और देश स्वतः संस्कारित हो जाएगा। जितना जरूरी मंदिर निर्माण है, उतना ही जरूरी बच्चों में जैन संस्कारों का निर्माण है, संस्कारों की सुरक्षा संपत्ति की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि सती, सीता को तीन बार वनवास के काल में पिता द्वारा दिया गया दहेज नहीं, अपितु संस्कार काम आए।

उक्त विचार बच्चों के मानस में संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए इंदौर से पधारे पंडित प्रकाश छाबड़ा ने व्यक्त किए, जो अपनी युवावस्था में विदेश के बड़े पैकेजों की नौकरी छोड़कर बच्चों को संस्कारित करने के उद्देश्य से देश भर में बाल संस्कार शिविरों के माध्यम से बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ा रहे हैं। वर्धमान ग्रुप के अध्यक्ष पंकज जैन एवं सचिव नमन बिलाला ने बताया की 3 जून से 8 जून तक 6 दिनों तक चलने वाले बाल संस्कार शिविर का उद्घाटन आज 3 जून को प्रातः 8 बजे जाली मेमोरियल स्कूल में हो रहा है।

जिसमें प्रशिक्षण देने यंग जैन स्टडी ग्रुप एवं शिविर के निर्देशक पंडित प्रकाश छाबड़ा इंदौर एवं अन्य 8 जैन विद्वानों के साथ पधार रहे हैं। उक्त शिविर में 700 से अधिक बच्चों ने एवं समाज जनों ने अपने रजिस्ट्रेशन करवाएं हैं, जिसके शिविर आमंत्रणकर्ता परिवार स्नेहलता श्रवण कुमार सोगानी, हितेष मनीषा जैन, अशोक चेतन अभिषेक राणा परिवार होंगे। शिविर का प्रारंभ जैन झंडारोहण कर्ता परिवार शीतल मीनेश जैन अक्षय अंशुल चूड़ी वाला परिवार द्वारा किया जाएगा। शिविर उद्घाटन कर्ता परिवार रामलाल जवाहरलाल परिवार हैं। ग्रुप के संरक्षक संजय पांड्या एवं जिनेंद्र जैन ने बताया कि प्रतिदिन प्रात 6:45 बजे से 8 बजे तक श्री जी अभिषेक पूजन श्री शांतिनाथ जिनालय लक्ष्मी नगर में होंगे, फिर स्वल्पाहार के पश्चात प्रथम कक्षा 8:30 से 9:30 तक, द्वितीय कक्षा 9.45 से 10:40 तक एवं 10:40 से प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम किया जाएगा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com